क्यों | Why?

बच्चों के लिए द्विभाषी संस्करण
Bilingual Editions for Children



संकल्पना
मीनाक्षी स्वामी

Concept
Meenakshi Swami

चित्र
पार्थ सेनगुप्ता

Illustrations
Partha Sengupta

नेहरू बाल पुस्तकालय
Nehru Bal Pustakalaya

क्यों | Why?

मीनाक्षी स्वामी | Meenakshi Swami



Translated from the
Original Hindi into English
Neera Jain
Illustrations
Partha Sengupta

मूल हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद
नीरा जैन
चित्र
पार्थ सेनगुप्ता

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA

6 से 8 वर्ष के बच्चों के लिए
For Children of the age group 6 to 8 years

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत एक स्वायत्त निकाय है जो भारत सरकार (उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय) द्वारा 1957 में किताबों और पठन को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया था। बच्चों के लिए द्विभाषी संस्करणों की शृंखला के तहत यह पुस्तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशानिर्देशों के अनुसार द्विभाषी प्रारूप में प्रकाशित की गई है, जिसका उद्देश्य बच्चों के लिए पूरक पठन-सामग्री का निर्माण करना है ताकि वे देश के बहुभाषी ताने-बाने के साथ तालमेल बैठा सकें।

डिसक्लेमर

इस द्विभाषी संस्करण के लिए कहानी का उपयुक्त रूप से संपादन किया गया है।

The National Book Trust, India is an autonomous body established by the Government of India (Department of Higher Education, Ministry of Education) in the year 1957, to promote books and reading. This title has been published in Bilingual format under the series 'Bilingual Editions for Children' as per the guidelines of the National Education Policy 2020 with the objective to create supplementary reading materials for children to help them adapt suitably to the multilingual fabric of the country.

Disclaimer

The story has been suitably edited for this bilingual edition.

ISBN978-81-237-9644-4
पहला द्विभाषी संस्करण (हिंदी-अंग्रेजी) : 2021 (*शक* 1942)
प्रथम हिंदी संस्करण : 2010
प्रथम अंग्रेजी संस्करण : 2011
क्यों? *(मूल हिंदी)*
व्हाई? *(अंग्रेजी अनुवाद)*

₹ 40.00
निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110 070 द्वारा प्रकाशित
www.nbtindia.gov.in

ISBN 978-81-237-9644-4
First Bilingual Edition (Hindi-English) 2021 (*Saka* 1942)
First Hindi Edition 2010
First English Edition 2011
Kyon? *(Original Hindi)*
Why? *(English Translation)*

₹ 40.00
Published by the Director, National Book Trust, India
Nehru Bhawan, 5 Institutional Area, Phase-II
Vasant Kunj, New Delhi-110 070
www.nbtindia.gov.in

बालक–माँ, तुझसे हैं कई सवाल।

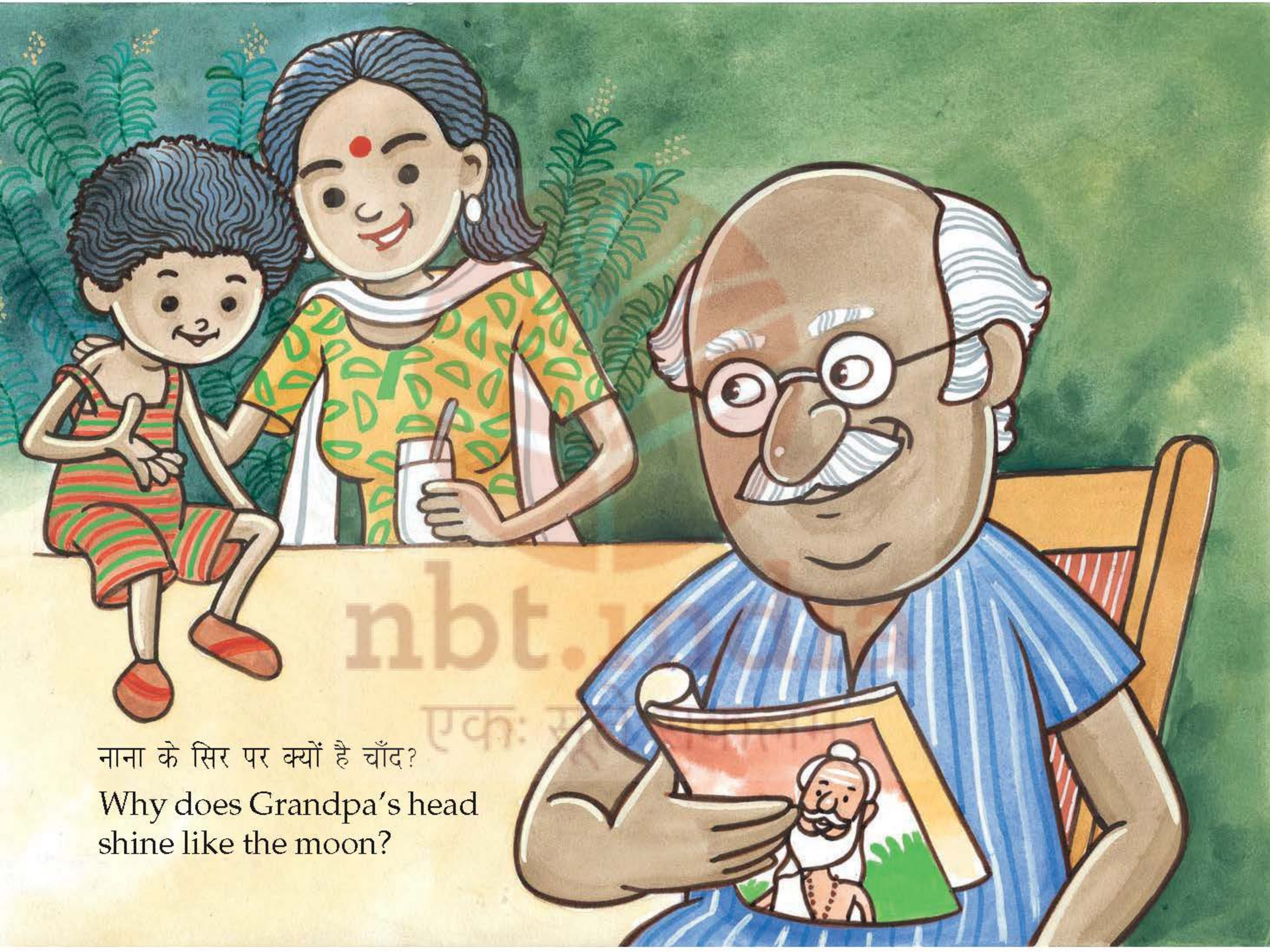
Child: Mom, I have some questions for you.



नानी के क्यों बाल सफेद?

Why is Grandma's hair white?



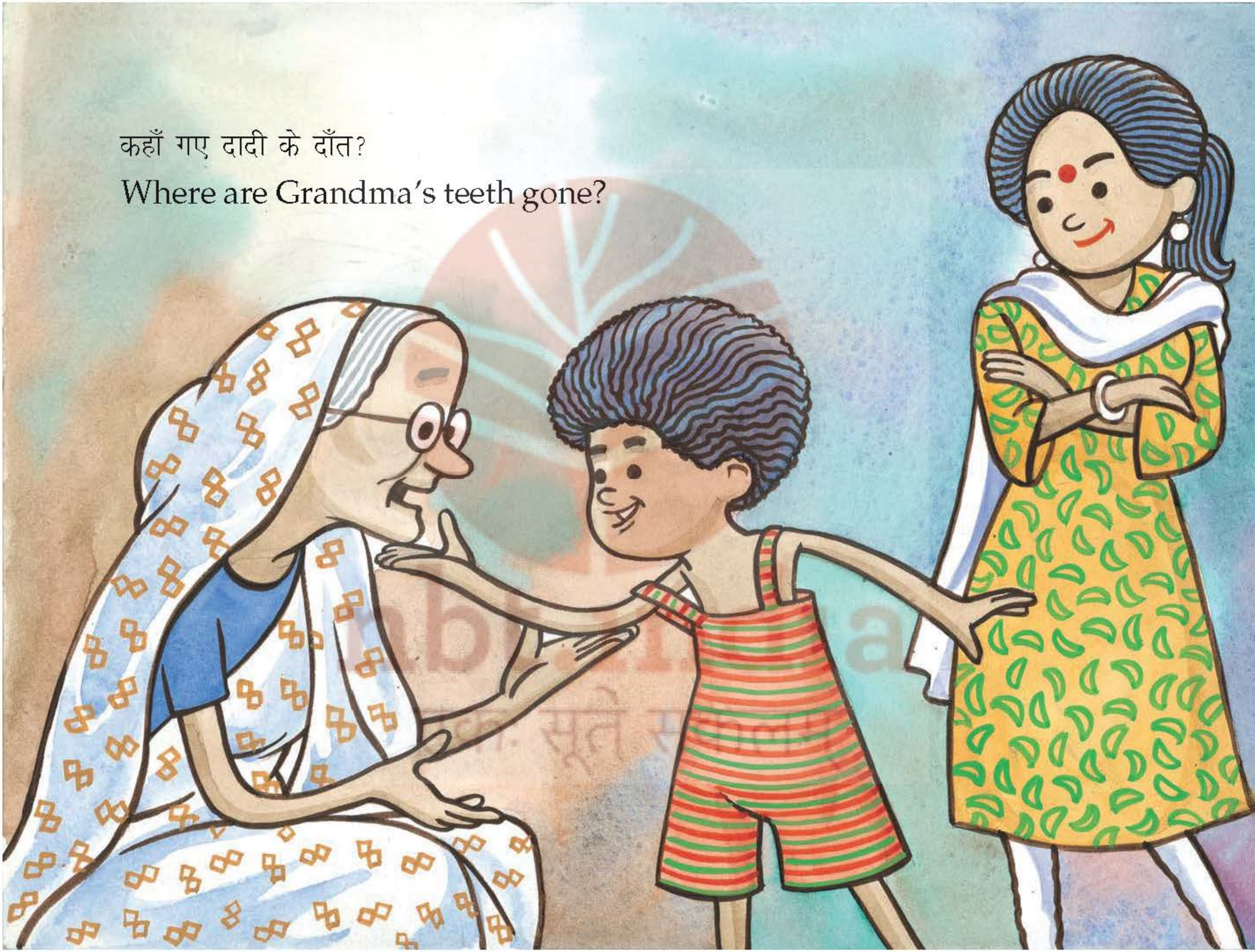


नाना के सिर पर क्यों है चाँद?

Why does Grandpa's head shine like the moon?

कहाँ गए दादी के दाँत?

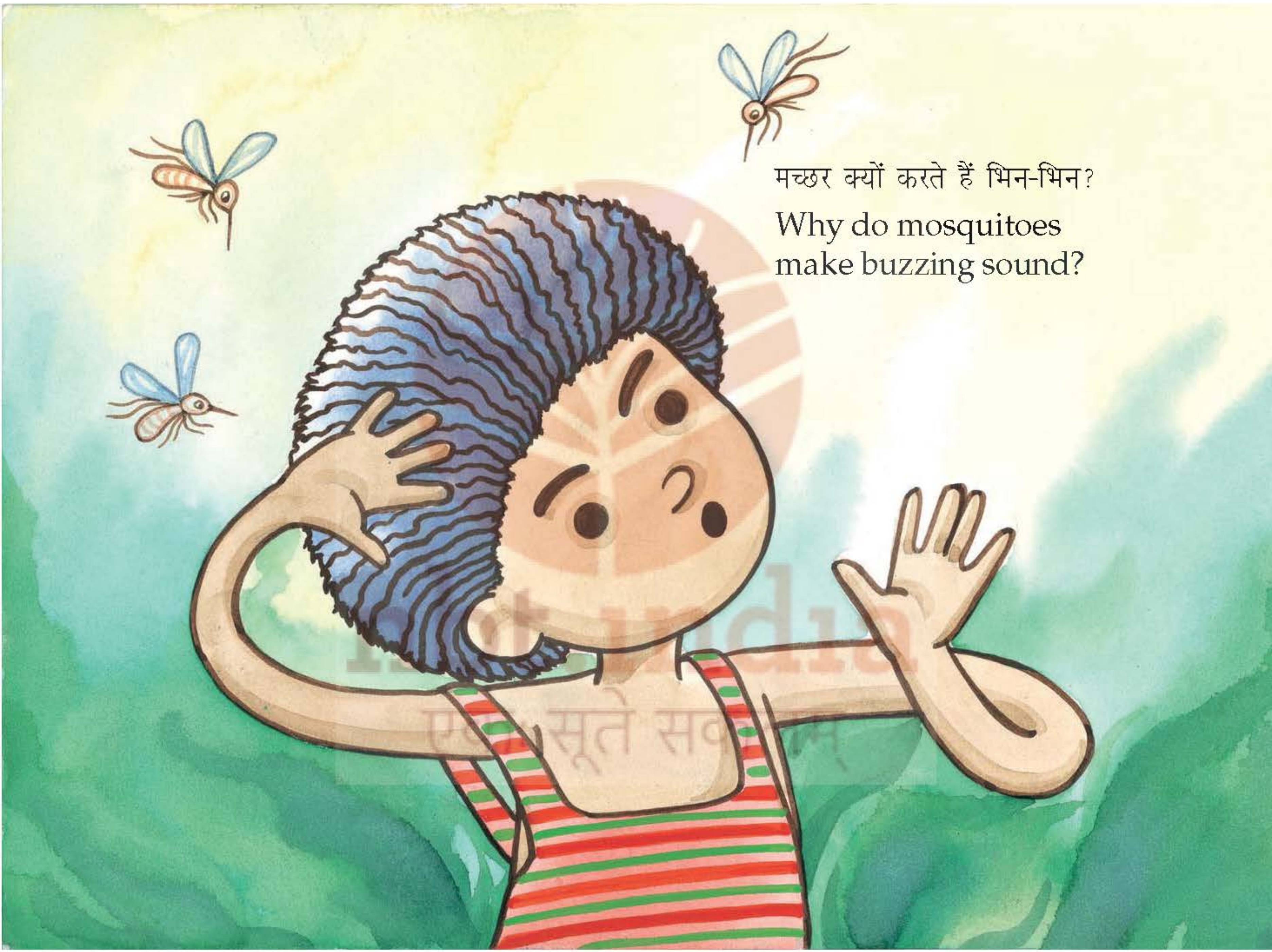
Where are Grandma's teeth gone?



छड़ी है क्यों दादा के हाथ?

Why does Grandpa hold a stick?





मच्छर क्यों करते हैं भिन-भिन?

Why do mosquitoes make buzzing sound?

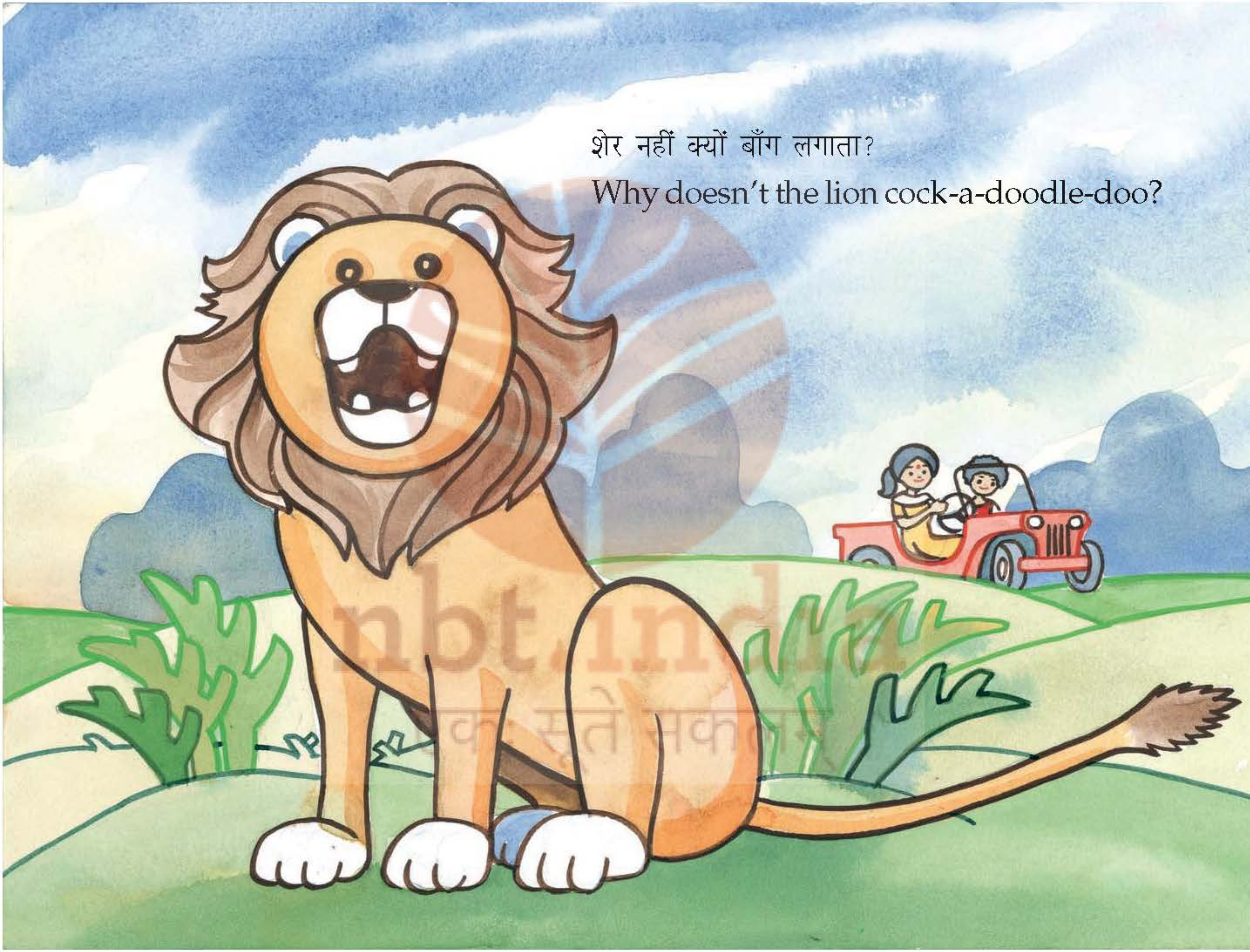
घोड़े क्यों करते हैं हिन-हिन?

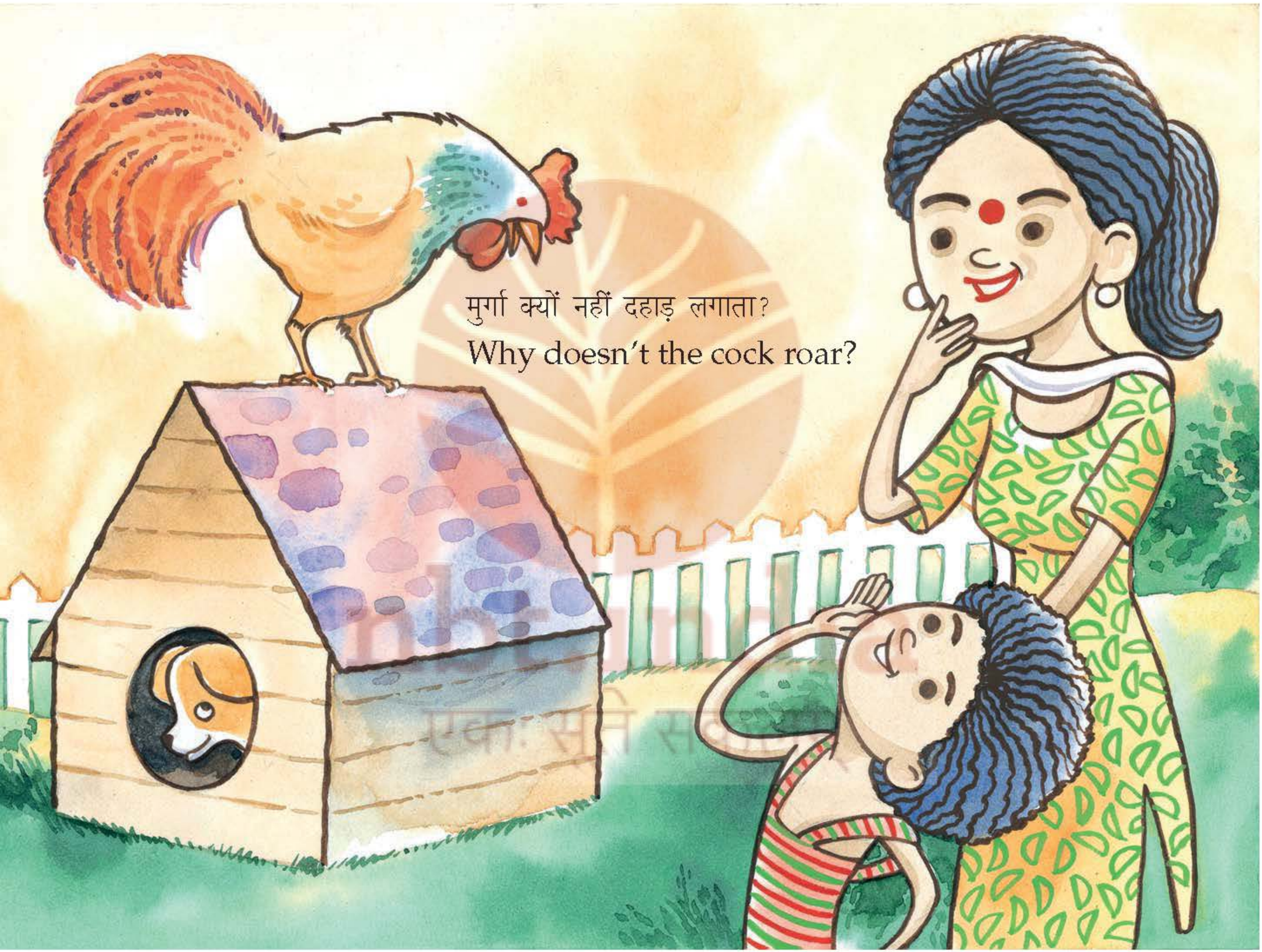
Why do horses neigh?



शेर नहीं क्यों बाँग लगाता?

Why doesn't the lion cock-a-doodle-doo?





मुर्गा क्यों नहीं दहाड़ लगाता?

Why doesn't the cock roar?

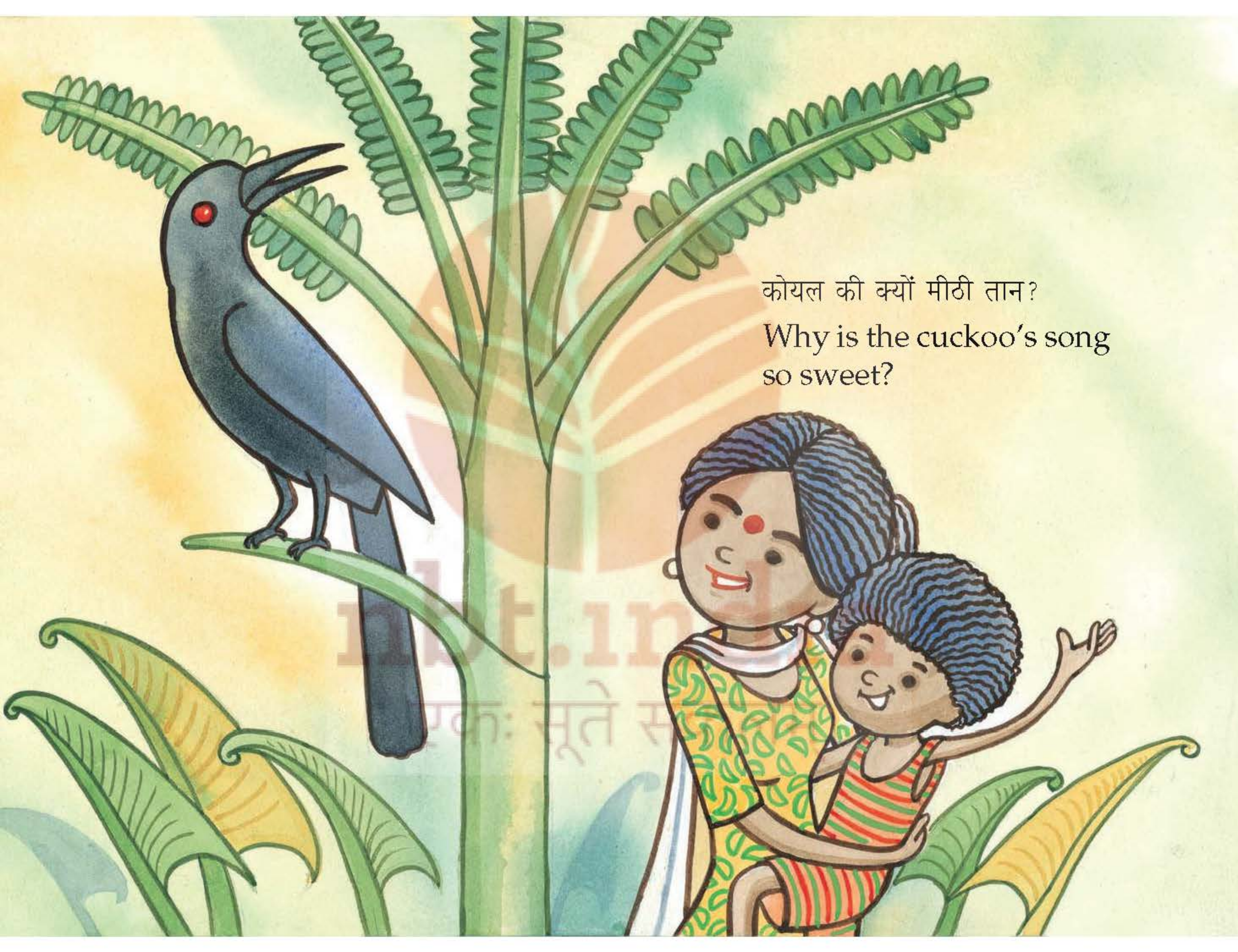


मेंढक क्यों बारिश में आते?

Why do frogs appear in rainy season?

कोयल की क्यों मीठी तान?

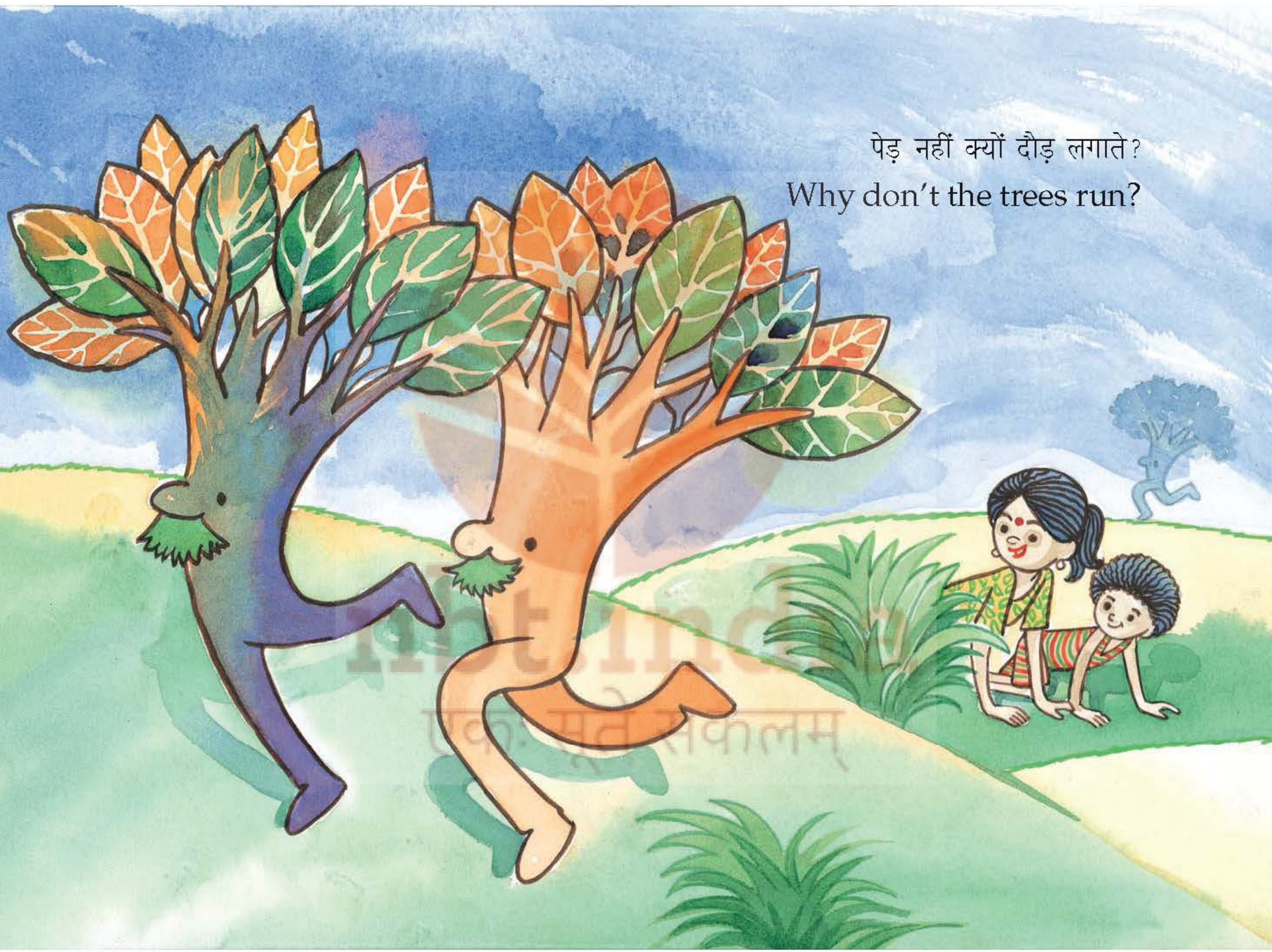
Why is the cuckoo's song so sweet?



क्यों कौए का गला खराब?

Why is the crow's voice so harsh?





पेड़ नहीं क्यों दौड़ लगाते?

Why don't the trees run?



और क्यों हम नहीं उड़ पाते?

And why can’t we fly?



सागर का पानी क्यों खारा?

Why is the ocean water salty?



नीचे क्यों नहीं आता तारा?
Why does the star not come down?



माँ–बेटा! यह सब है कुदरत की बात। पता करें हम इसका राज।

Mom: Son, these are all wonders of nature. Let's find out the secrets!





मीनाक्षी स्वामी ने बाल-पुस्तकों सहित लगभग 46 पुस्तकों विभिन्न शैलियों में लिखी हैं। इनकी पुस्तकें कई प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त कर चुकी हैं।

नीरा जैन ने पिछले तीन दशकों से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के संपादकीय अनुभाग में विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है। वर्तमान में वे न्यास की मुख्य संपादक एवं संयुक्त निदेशक हैं। वे अच्छी बाल-लेखिका के साथ-साथ अनुवादक भी हैं।

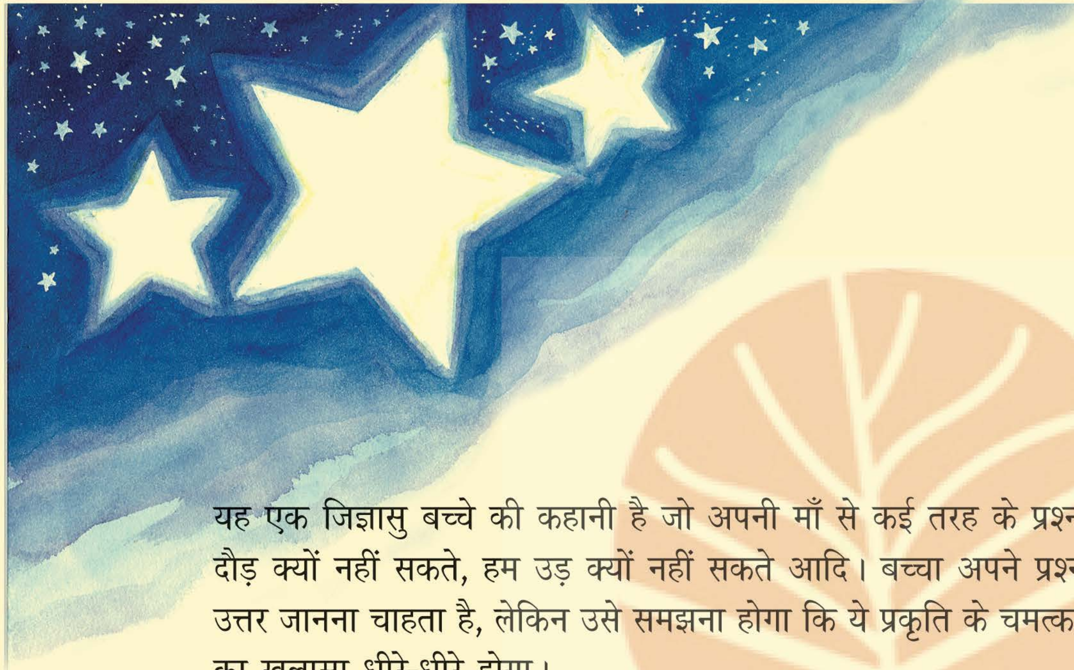
पार्थ सेनगुप्ता ने कोलकाता स्थित गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट एंड क्राफ्ट से एप्लायड आर्ट में डिप्लोमा लिया और दिल्ली प्रेस में चित्रकार के रूप में काम करना शुरू किया। उसके बाद वे बच्चों की पुस्तकों के लिए चित्र बनाने लगे। वे न्यास के साथ-साथ अन्य प्रकाशन संस्थाओं की दर्जनों पुस्तकों के लिए चित्र बना चुके हैं।

Meenakshi Swami has written about forty-six books in various genres including books for children. Her books have been conferred with various prestigious awards.

Neera Jain has been serving National Book Trust, India for the last three decades in various capacities, mainly in the editorial division of the Trust. Presently, she is the Chief Editor & Joint Director, NBT. She is an accomplished writer of books for children as well as a translator.

Partha Sengupta obtained a Diploma in Applied Art from Government College of Art & Craft, Kolkata and started his career as an illustrator with Delhi Press. Thereafter, he switched over to illustrating books for children which became his passion. He has illustrated dozens of books for the Trust as well as other publishing houses.

मुद्रकः चंदू प्रेस, दिल्ली–110092
Printed at: Chandu Press, Delhi-110092





यह एक जिज्ञासु बच्चे की कहानी है जो अपनी माँ से कई तरह के प्रश्न पूछता है, जैसे–पेड़ दौड़ क्यों नहीं सकते, हम उड़ क्यों नहीं सकते आदि। बच्चा अपने प्रश्नों के सरल शब्दों में उत्तर जानना चाहता है, लेकिन उसे समझना होगा कि ये प्रकृति के चमत्कार हैं और इन रहस्यों का खुलासा धीरे-धीरे होगा।

This story is about an inquisitive child who asks his mother several questions, like why don't the trees run, why we can't fly, etc. The child wants to get easy answers but has to understand that these are wonders of Nature and the mystery shall unfold slowly.

nbt.india
एकः सूते सकलम्

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA

₹ 40.00
ISBN 812379644-7
9788123796444
20212112